मूल्य/धर्मार्थ : 1 पैसा
(केवल बहाईयों में वितरण हेतु)

विश्व न्याय मन्दिर

प्रभुधर्म के पावन लेखों को पढ़ना और बहाउल्लाह के विशाल प्रकटीकरण के महत्व के बारे में अधिक से अधिक जानकारी प्राप्त करना – ये दायित्व बहाउल्लाह के प्रत्येक अनुयायी को सौंपे गए हैं। सभी के लिए आदेशित है कि वे इस महान प्रकटीकरण के समुद्र से अपनी रूचि और सामर्थ्य के अनुसार ज्ञान के मोतियों की खोज करें।

–रिज़वान 2010

बहाई समाचारपत्र

वर्ष : 53 अंक 10 प्रकाशन : प्रत्येक माह की 8 तारीख
अक्टूबर 2017 बहाई वर्ष : 174

राजस्थान में प्रभुधर्म के शिक्षण अभियान का आयोजन

राज्य बहाई परिषद, राजस्थान द्वारा शिक्षण अभियान के लिए एक सभा का आयोजन किया गया, इस सभा में सांगानेर, जगतपुरा, जामडोली और वाटिका से आये मित्रों ने भाग लिया। सभा का आरम्भ कुछ सामूहिक प्रार्थनाओं के साथ किया गया और सभा का मुख्य विषय था–"आशीर्वादित सौंदर्य" के द्वि–शताब्दी जन्मोत्सव पर हम उन्हें क्या समर्पित कर सकते है ? इसे और अधिक समझने के लिए रिज़वान संदेश 2017 के कुछ अंशों का अध्ययन कर मार्गदर्शन प्राप्त किया और यह सीखा की 'महानतम नाम' का समुदाय किस तरह उठ खड़ा होता है। इस अवधारणा को और व्यावहारिक रूप से समझने के लिए मित्रों ने अपनी–अपनी योजनाओं पर पुनः विचार किया। रिज़वान सन्देश से प्राप्त अंतर्दृष्टियों के माध्यम से बहाउल्लाह के जीवन और उनके महान उद्देश्य से परिचित कराने के लिए हर जगह विद्यमान संभावनाओं के प्रति सचेत होकर मित्रों ने हर तरह के व्यक्ति के साथ आरम्भ किये जा सकने वाले वार्तालापों के बारे में रचनात्मक रूप से विचार किया। इस संबंध में मित्रों ने अपने–अपने सुझाव भी साझा किये और बताया कि अब तक उन्होंने 758 लोगो को प्रभुधर्म का संदेश दिया, मित्रों ने रिज़वान संदेश से प्राप्त अंतर्दृष्टियों से अपने को ऊर्जस्वित व प्रोत्साहित महसूस किया और निर्णय लिया की आने वाला सप्ताह पूर्ण रूप से प्रभुधर्म के शिक्षण को समर्पित होगा।

अगले दिन जगतपुरा के मित्रों ने समुदाय के सभी बहाई मित्रों को एक जगह आमंत्रित किया और परामर्श कर शिक्षण दल गठित किये और शिक्षण के लिए अलग–अलग गली–मोहल्लों में निकल गये। शिक्षण से घर वापस आने के समय मित्रों ने परामर्श किया और देखा की शिक्षण अभियान के 3 दिनों में 230 लोगों को प्रभुधर्म का संदेश दिया गया। इस दौरान मित्रों ने शिक्षण के लिए रचनात्मक तरीके अपनाये जैसे–सामूहिक प्रार्थना सभाओं का आयोजन जहाँ अधिक से अधिक संख्याओं में मित्रों को आमंत्रित किया गया और जन–शिक्षण के लिए कई बैठकों का आयोजन किया गया किसी बैठक में 60 तो किसी में 35 और 25 लोगों को प्रभुधर्म का सन्देश दिया गया। लोगों के घर–घर जाकर, प्रभुधर्म के विस्तार के लिए पर्चो का उपयोग, घरों में छोटी–छोटी गोष्ठियों का आयोजन, गणमान्य व्यक्तियों से शिष्टाचार भेंट कर, समाचारपत्रों में गतिविधियों का प्रकाशन कर मित्रों को बहाउल्लाह के आगमन का उद्देश्य बताया गया।

मित्रों ने व्यक्तिगत और सामूहिक रूप से लोगों को बहाउल्लाह के आगमन का उद्देश्य बताया और बहाउल्लाह के द्वि–शताब्दी जन्मोत्सव के लिए भी

शेष पृष्ठ 3 पर



राजस्थान के बहाई मित्रगण लोगों के घर–घर जाकर उन्हें प्रभुधर्म का संदेश देते हुए

इस अंक में

ओड़िशा में पारिवारिक सम्मेलन का आयोजन

ओड़िशा के भुबनेश्वर बहाई भवन में 2 और 3 सितम्बर 2017 को बहाउल्लाह के द्वि–शताब्दी समारोह के उपलक्ष्य में एक 'परिवार सम्मेलन' का आयोजन किया गया। पूर्व और मध्य क्षेत्रों के 11 क्लस्टरों के प्रत्येक गाँव से 3 परिवारों को आमंत्रित किया, जिन्होंने मूसलाधार बारिश के बावजूद सम्मेलन में हिस्सा लिया। सम्मेलन बहाई संगीत मंडली द्वारा एक बहुत ही खास भक्तिपरक प्रस्तुति से आरम्भ हुआ। उन्होंने एक अत्यंत सुन्दर आध्यात्मिक वातावरण बना दिया। सभी प्रतिभागियों ने 'इस युग की महानता' को स्मरण किया और उड़ीसा में वर्तमान और 'जीवंत समुदायों का निर्माण और युवाओं की शक्ति को उजागर करना' पर सामग्री का अध्ययन किया। समूह युवा और बुजुर्ग दोस्तों का एक मिश्रण थे। यह देखना बहुत ही अच्छा लग रहा था कि सभी समूहों के सदस्य अपनी उम्र के बावजूद, विषय को समझने की कोशिश कर रहे थे और समझ को एक चार्ट पर प्रदर्शित कर रहे थे। विभिन्न आयु वर्ग के सभी समूहों में महिलाओं की अग्रणी भूमिका थी।

शाम में, एक बार फिर बहाई संगीत मंडली ने सभी प्रतिभागियों को उनकी प्रस्तुतियों के साथ आकर्षित किया। 'अक्का के कैदी ने चमत्कार किया' गीत ने हॉल में उपस्थिति सभी को खुशी में निमग्न कर दिया। समूह में बनाई गई कुछ लघु नाघटिका भी प्रस्तुत की गईं।



भुबनेश्वर में आयोजित परिवार सम्मेलन के दौरान समूहों में अध्ययन करते हुए प्रतिभागीगण

गतिविधियों पर एक पावर प्वाइंट प्रजेंटेशन उत्साह के साथ देखा। सभी का स्वागत करने के बाद, प्रतिभागियों का एक–दूसरे के साथ परिचय कराया गया और पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश और बिहार से आये मित्रों ने सम्मेलन में उपस्थित होने पर प्रसन्नता व्यक्त की। फिर सलाहकार राजन सावंत ने अपने उद्घाटन संभाषण में 'इस युग' के महत्व के बारे में विस्तार से बतलाया।

दोपहर में बहाई संगीत मंडली ने प्रार्थनाओं और गीतों के साथ सत्र की शुरूआत की। जिसके बाद मित्रों को वस्तु विषय के बारे में बताया गया और कार्यशालाओं में चर्चा के लिए मित्रों को पांच समूहों में विभाजित किया गया। समूहों में सामग्री का अध्ययन करने के बाद प्रत्येक समूह ने चार्ट पर चित्रकला, कविताओं, गीतों और नाटकों के माध्यम से अपनी समझ को अभिव्यक्त किया। परामर्श के दौरान फैसिलिटेटर ने समूहों को सहायता प्रदान की। कार्यशाला सत्र के दौरान प्रत्येक समूह के साथ काम करने के लिए पहले ही 15 फैसिलिटेटर्स का चयन कर उन्हें प्रशिक्षित किया गया था। शाम को कार्यशाला जारी रही और मित्रों ने 'आध्यात्मिक प्रगतिशील समुदाय के लिए सामूहिक उपासना' किया।

अगले दिन, रविवार 3 सितंबर, सभी ने उषाकालीन प्रार्थना में भाग लिया जो प्रत्येक रविवार को भुबनेश्वर के स्थानीय आध्यात्मिक सभा द्वारा आयोजित की जाती है।

'युवा शक्ति' पर बहाई संगीत मंडली द्वारा प्रस्तुत एक भक्तिपरक कार्यक्रम के साथ सत्र शुरू हुआ। फिर प्रत्येक समूह ने अध्ययन सामग्री पर एक–एक करके अपना दृष्टिकोण और समझ प्रस्तुत की। कुछ समूहों ने अपने सदस्यों द्वारा तैयार की गई कविताओं और गीतों को प्रस्तुत किया। कुछ अन्यों ने नाटक का प्रदर्शन किया। प्रत्येक समूह गहन परामर्श के स्तर का पालन करना सीख रहा था। बाद में 'युवाओं की शक्ति को उजागर करना' विषय पेश किया गया और मित्रगण अपने कार्यशाला समूहों में वापस चले गए।

दोपहर में 'द्वि–शताब्दी उत्सव' विषय पर परामर्श किया गया और सभी ने अपने स्वयं के स्थान और

शेष पृष्ठ 4 पर

पंचगणी में सहायक मंडल सदस्यों के सहायकों का सम्मेलन

महाराष्ट्र में न्यू ऐरा शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान पंचगणी में महाराष्ट्र और गोवा के सहायक मंडल सदस्यों के सहायकों के लिए वार्षिक सम्मेलन आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम में सलाहकार ओमिद सियोशानसियान, सहायक मण्डल सदस्यों और बार्शी, कलवन, कल्याण, कोल्हापुर, मुंबई, मालेगांव, नाशिक, नंदगांव, पंचगणी, पुणे, संगमनेर और सांगली क्लस्टरों से उनके 190 सहायकों ने भाग लिया।



सांगली के सहायक समूह में अध्ययन करते हुए

चार दिनों के इस सम्मेलन में उपस्थित मित्रों ने–सहायक मंडल सदस्यों और उनके सहायकों की भूमिका और दायित्वों, उनकी व्यापक जिम्मेदारियाँ, आस–पास के क्लस्टरों के समूहों की वास्तविकता को समझना, मानव संसाधन विकास को मजबूत करना, युवा कार्यक्रम और बहाई बच्चों की कक्षाओं को मजबूत करना, जीवंत समुदायों का निर्माण, शिक्षण के क्षेत्र में मित्रों की क्षमता का उपयोग करना, बड़ी संख्या के साथ काम करना, प्रशिक्षण संस्थानों के साथ सहयोग और समुदाय के आध्यात्मिक स्वास्थ्य को बनाए रखना–जैसे विषयों पर चर्चा की। पूरे सत्रों के दौरान सलाहकार ओमिद सियोशानसियान द्वारा विषय दिए गए और प्रतिभागियों ने छोटे समूहों में उनसे संबंधित अपने अध्ययन और योजना को जारी रखा, जिसमें सहायक मण्डल सदस्यों ने उन्हें सहायता प्रदान की।



सहायकों के सम्मेलन के प्रतिभागी

इन चार दिनों की सभा के दौरान कई रोचक अंतर्दृष्टि साझा की गईं।

जब मित्रों ने गृहभ्रमण के दौरान बहाउल्लाह के संदेश को परिवारों को देने की कहानियों को साझा किया, तब उनमें से कोल्हापुर की रवीना माने ने बताया कि उनका गृहभ्रमण किसी साहस से कम नहीं था *"मुझे एक लड़की के घर जाने को कहा गया जो इस क्षेत्र में एक सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में जानी जाती थी, मैंने कुछ युवाओं से मिलने के लिए उसकी मदद मांगने के लिए संपर्क किया ताकि मैं उन्हें रूही पुस्तक–1 और 5 के अध्ययन में भाग लेने के लिए आमंत्रित कर सकूं। उसने मुझे अपने साथ आने के लिए कहा। उसने मुझसे मंदिर के बाहर इंतजार करने के लिए कहा और थोड़ी देर बाद मुझे अंदर बुलाया। कुछ ही मिनटों में मैंने खुद को पुरुषों और युवाओं के बीच खड़ा पाया जो पहलवान थे। पहले तो मुझे डर लगा लेकिन मैंने फैसला किया कि जब मैं यहां आ ही गई हूं, तब मैं*

शेष पृष्ठ 3 पर

समाचारचित्र



केरल के वरिष्ठ बहाई श्री सी. एन. पोन्नप्पन को केरल सरकार के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री श्री तिलोत्तमन द्वारा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। श्री पोन्नप्पन को यह पुरस्कार न केवल उनको पिछले 40 वर्षों से एक विधिवक्ता के रूप में सेवा देने के लिए दिया गया बल्कि केरल में चरतला, अलापुजा क्षेत्र के लोगों के बीच आध्यात्मिक शिक्षा देने के लिए भी दिया गया।



भारत में चर्चों की राष्ट्रीय परिषद (एनसीसीआई) द्वारा नागपुर में सर्वधर्म सम्मेलन का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में बहाई धर्म का प्रतिनिधित्व श्री संतोष एच. चाहांदे और श्री हरिकिशन कदुकर ने किया। उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने बहाई धर्म के बारे में सुना और वक्तव्य के बाद बहाई धर्म के बारे में और अधिक जानने के लिए व्यक्तिगत रूप से वार्तालाप की। भारत और विदेश के विभिन्न हिस्सों, विभिन्न धार्मिक पृष्ठभूमि एवं संस्कृतियों से आये लगभग 74 मित्रों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।



लखनऊ के बंथरा, चन्द्रावल में न्यू ऐरा सशक्तिकरण अकादमी में बच्चों की बहाई कक्षा और हिडन जेम्स जैसी दो गतिविधियां चल रही हैं। इन गतिविधियों के द्वारा बच्चे अपनी क्षमता और गुणवत्ता का विकास कर रहे हैं। यह देखा गया कि इन गतिविधियों के माध्यम से कुछ बच्चों के व्यवहार में अच्छा परिवर्तन आया है। अकादमी में 36 छात्रों के साथ तीन बच्चों की कक्षायें और अन्य बच्चे जो पांच वर्ष की आयुवर्ग से कम हैं उनके लिए हिडन जेम्स का आयोजन किया जा रहा है।

राजस्थान में प्रभुधर्म के शिक्षण अभियान का आयोजन

पृष्ठ 1 का शेष

आमंत्रित किया। मित्रों के प्रयासों की झलक रिज़वान सन्देश की उन पंक्तियों में मिलती है जिनमें कहा गया है कि शिक्षण के इस सुयोग्य कार्य में हर किसी की भूमिका है और इस कार्य में लगने से प्राप्त होने वाला जो आनंद है उससे किसी को भी स्वयं को वंचित नहीं करना चाहिए।

शिक्षण अभियान की दूसरी सभा का आयोजन 10 सितम्बर 2017 को बापू नगर बहाई भवन में किया गया। सभा का आरम्भ कुछ सामूहिक प्रार्थनाओं के साथ किया गया और इस भक्तिमय माहौल के बाद शिक्षण गतिविधियों में शामिल मित्रों ने अपने अनुभव साझा कर बताया की सप्ताह के अंत तक कुल 1530 लोगों को प्रत्यक्ष शिक्षण दिया गया और बहाउल्लाह के आगमन का उद्देश्य बताया गया। साथ ही उन्हें द्वि–शताब्दी जन्मोत्सव के लिये भी आमंत्रित किया गया।

इसके अलावा मित्रों ने योजना बनाई कि वे प्रभुधर्म के विस्तार के लिए रेडियो एफएम, टीचिंग के लिए वीडियो का इस्तेमाल सोशल मीडिया के माध्यम से करेंगे, बैनर्स, पोस्टर्स जिनको बस स्टैंड्स, रेलवे स्टेशन, मॉल्स व होल्डिंग्स पर लगाकर लाखों की संख्या में प्रभुधर्म का संदेश देंगे।

इस शिक्षण अभियान में भाग लेने वाले मित्रों के प्रयासों में मिली ईश्वर की सम्पुष्टि के लिए मित्रों ने ईश्वर के प्रति आभार प्रकट किया और शिक्षण के प्रयासों में मिली सफलता के लिए प्रार्थना कर ईश्वर को धन्यवाद दिया। इस सभा में जयपुर के पडोसी समुदाय सांगानेर, जगतपुरा, जामडोली, सीतापुरा और शिवदासपुरा समुदाय–समूह से आये कुल 45 मित्रों ने भाग लिया। इस बार की सभा का मुख्य उद्देश्य प्रार्थना सभाओं की संख्याओं में वृद्धि और उसकी गुणवत्ता के बारे में था कि स्थानीय मित्र किस तरह स्थानीय बहाई केंद्रों में नियमित भक्तिपरक बैठकों का आयोजन करें ताकि भक्ति के उस जीवन को समृद्धि मिल पाये। ईश्वर के सृजनात्मक शब्दों के महत्व को समझने के लिये प्रार्थना के सम्बन्ध में मार्गदर्शन के लिए विश्व न्याय मंदिर के प्रपत्र से कुछ अंशों का अध्ययन किया गया और सीखा कि किस प्रकार उपासना के लिए बैठकें सामुदायिक जीवन के मूल में गूंथ दी गई हैं। भक्तिपरक बैठकें वे अवसर हैं जहाँ कोई भी आत्मा प्रवेश कर सकती है, स्वर्गिक सुगंधों की सांस ले सकती है, प्रार्थना की मधुरता का अनुभव कर सकती है, सृजनात्मक शब्द पर चिंतन कर सकती है, अपने प्रियतम से संवाद कर सकती है।

प्रपत्र से प्राप्त अंतर्दृष्टियों पर चर्चा के बाद मित्रों ने प्रार्थना सभाओं के लिए बनाई गई अपनी योजनाओं पर पुनः विचार किया और निर्णय लिया कि वे किस तरह समुदाय के प्रत्येक व्यक्ति, बच्चे, किशोर, वयस्क को ईश्वर के रचनात्मक शब्दों के गुणगान का सुखद आनंद महसूस करने के लिये आमंत्रित करेंगे तथा साथ ही मित्रों को प्रोत्साहित करेंगे कि वे भी अपने घरों में प्रार्थना सभाओं का आयोजन कर मशरिकुल–अजकार की चेतना का अनुभव अपने घरों में कर पायें।



बहाउल्लाह के द्वि–शताब्दी जन्मोत्सव और शिक्षाओं के बारे में बताते बहाई मित्रगण



रूही पुस्तक का अध्ययन करते हुए युवा मित्रगण

कोलकाता में कोष शिक्षण का आयोजन

पश्चिम बंगाल के कोलकाता बहाई भवन में रूही पुस्तक–7 पाठ्यक्रम अभियान 15 सितम्बर को शुरू हुआ, इसमें 9 क्लस्टरों, मुख्य रूप से, पुरुलिया और बंकुरा के ट्यूटरों सहित 85 प्रतिभागी शामिल हुए। राज्य परिषद के कोषाध्यक्ष ने इस अवसर का लाभ उठाते हुए उस अभियान के प्रतिभागियों को कोष शिक्षण देने की योजना बनाई।

फिर, कोष शिक्षा पर 17 सितम्बर 2017 को डेढ़ घंटे का एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। हालांकि इस शिक्षण की अवधि बहुत कम थी, लेकिन अधिकांश प्रतिभागियों ने "बहाई कोष में दान" पर आधारित सामग्री पर चर्चा में भाग लिया।

कोषाध्यक्ष ने कोष पर आधारित कुछ कहानियाँ और एक कविता भी सुनाईं। मित्रों ने आश्वासन दिया कि वे अपने क्षेत्र में लौटने के बाद अन्य लोगों को भी कोष में दान के लिए प्रेरित करेंगे।

प्रसन्नता की बात यह है कि इस सत्र में भाग लेने वाले और साथ ही रुही पुस्तक–7 के अभियान में भाग लेने वाले प्रतिभागियों ने, इस अभियान को आत्मनिर्भर बनाने के लिए तुरंत कोष में एक हजार एक सौ पचास रुपये का दान दिया। छह अन्य मित्र नियमित रूप से कोष में दान के लिए संकल्पबद्ध हुए।



कोलकाता में आयोजित कोष शिक्षण में भाग लेने वाले प्रतिभागी

पंचगणी में सहायक मंडल सदस्यों के सहायकों का सम्मेलन

पृष्ठ 2 का शेष

शिक्षण के अवसर को नहीं खो सकती हूं, इसलिए मैंने उन्हें बहाउल्लाह के बारे में बताना शुरू किया। ऐसा लगा कि मुझे सुनने वाले श्रोता मिल गए थे और उनमें से दो लड़के ने कार्यक्रम में शामिल होने के लिए अपनी रुचि दिखाई। सही बोलूं तो मुझे डर लग रहा था, लेकिन बहाउल्लाह ने मुझे साहस दिया।"

एक अन्य युवा लड़की कुसुम ने बताया कि *"उसे तीन परिवारों से मिलने का अवसर मिला और उन्हें भक्तिपरक बैठकों के महत्व के बारे में बताया और कार्यक्रम में शामिल होने के लिए उनके बच्चों और किशोरों को प्रोत्साहित किया।"*

यह स्पष्ट था कि द्वि–शताब्दी समारोह बहाउल्लाह के साथ हृदय जोड़ने और लोगों को 'महानतम सौंदर्य' को तुरंत स्वीकार करने के लिए एक अद्वितीय अवसर प्रदान करेगा। बहाउल्लाह के द्वि–शताब्दी समारोह के दौरान सहायकों का सबसे बड़ा योगदान यह होगा कि वे अपने–अपने समूहों को प्रगति की ओर अगले पड़ाव में जाने में संपूर्ण सहायता करेंगे और क्षेत्र स्तर पर सामूहिक निर्माण के कार्यक्रम में गुणवत्ता वृद्धि हासिल करने का प्रयास करेंगे।

मित्रों ने वचन दिया कि वे इस क्षेत्र में 58,555 लोगों के साथ बहाउल्लाह के व्यक्तित्व के बारे में बातचीत करना चाहेंगे, 9,512 गृहभ्रमण करके उन्हें उनकी महानता की कहानी बताकर उनके हृदयों को कभी समाप्त न होने वाले बहाउल्लाह के स्नेह से जोड़ेंगे। इस अवसर को 21 और 22 अक्टूबर को 30,308 व्यक्तियों के साथ क्षेत्रों और पड़ोस में मनायेंगे, जहां समुदाय निर्माण की गतिविधियाँ अभिगमन प्राप्त कर रही हैं।

Regd. No. DELHIN / 1966 / 04204
New Delhi P.S.O.
Delhi Postal Regd No. DL (ND) 11/6036/2015-16-17
Licensed to post without pre-payment No. U (C)-52/2015-16-17

फरीदाबाद में बहाउल्लाह के द्वि–शताब्दी समारोह पर बैठक का आयोजन

क्षेत्रीय बहाई परिषद पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और जम्मू–कश्मीर ने फरीदाबाद समुदायसमूहों के लिए फरीदाबाद, हरियाणा में 12 और 13 अगस्त को एक बैठक का आयोजन किया, जिसमें हरियाणा के लगभग 40 प्रतिभागी शामिल हुए।

इस बैठक में सलाहकार श्रीमती ग्लोरिया जावेद भी उपस्थित थीं, उन्होंने बैठक के पहले दिन का संचालन युगलावतार के द्वि–शताब्दी जन्मोत्सव पर विश्व न्याय मन्दिर के 16 मई 2016 के संदेश के साथ किया। इसके बाद बहाउल्लाह के द्वि–शताब्दी उत्सव के बारे में समूहों ने योजना बनाई। इसके अलावा श्रीमती जावेद ने चर्चा के दौरान निम्न बिंदुओं पर भी ध्यानाकर्षित किया :

1. हमारे प्रयास इस प्रकार होने चाहिए कि बहाउल्लाह का आरोग्यदायी संदेश अधिक–से–अधिक लोगों तक पहुंच सके। जिन्हें हम बहाउल्लाह का संदेश दे रहे हैं उनका रिकॉर्ड हमें रखना चाहिए, उन्होंने कुछ स्थानों के उदाहरण भी दिये।

2. हमारी सार्थक वार्तालाप के तीन स्तर होने चाहिए, जिनमें बहाउल्लाह का नाम अवश्य आना चाहिए।

3. सघन गतिविधियों के केन्द्र तक सेवा परियोजना ले जाना।

4. विश्व केन्द्र से जल्द ही जारी होने वाली वृत्तचित्र को बहाईयों और विस्तृत समाज को दिखाने के लिए भी उचित योजना होनी चाहिए।

बैठक के दूसरे दिन विश्व न्याय मन्दिर के 1 मार्च के संदेश का अध्ययन किया गया और पहले दिन हुई चर्चाओं के विचारों को सुदृढ़ किया गया।



फरीदाबाद में आयोजित बैठक में भाग लेने वाले प्रतिभागी

● निधन

श्री दीनबंधु दास



हमें यह बताते हुए अत्यंत खेद हो रहा है कि ओड़िशा, ताराबोई के बहाई श्री दीनबंधु दास का निधन 3 सितम्बर, 2017 को हो गया। वे 89 वर्ष के थे। इस संकट की घड़ी में उनके परिवार के प्रति अपनी सहानुभूति व्यक्त करते हुए आभा लोक में उनकी आत्मा की प्रगति के लिए प्रार्थनारत हैं।

ओड़िशा में पारिवारिक सम्मेलन का आयोजन

पृष्ठ 1 का शेष

आसपास के समुदायों में 200वीं जयंती समारोह के बारे में चर्चा की।

शाम में उदारता से कोष में योगदान करने के लिए सभी को आमंत्रित किया गया। कुछ जिज्ञासु जाता है। बैठक में शामिल सात जिज्ञासुओं ने प्रभुधर्म में अपनी आस्था व्यक्त की और फिर सभी ने कोष में दान दिया। अंत में बहाई संगीत मंडली के प्रदर्शन, गाने, नाटक और प्रत्येक



परिवार सम्मेलन में भाग लेने वाले प्रतिभागी

सभा में उपस्थित थे इसलिए यह कहा गया कि जो लोग यह महसूस करते हैं कि बहाउल्लाह की शिक्षायें उनके हृदय को आकर्षित करती हैं, उन्हें उनके योगदान के माध्यम से उनका प्यार दिखाने के लिए आमंत्रित किया समूह द्वारा प्रस्तुतियों के साथ एक बहुत रंगारंग कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। सभी प्रतिभागियों को अपने समुदायों की सेवा के लिए एक नया उत्साह और चेतना प्राप्त हुई।



ग्वालियर समुदाय के कुछ सक्रिय युवा बहाई, बच्चों की नैतिक कक्षा के अनुप्रेरकों और किशोर आध्यात्मिक सशक्तिकरण कार्यक्रम के फैसिलिटेटर्स की सहायता से बच्चों को शहर के विभिन्न स्थानों पर द्वि–शताब्दी समारोह का बैनर लेकर पिकनिक पर गए। स्थानीय मन्दिर, चर्च, मस्जिद और गुरुद्वारे का भ्रमण करने के पश्चात् बच्चों और किशोरों ने सभी धर्मों का सम्मान करना सीखा। पूरे दिन की यह मंनोरंजक पिकनिक बहाई भवन पर समाप्त हुई। अनुप्रेरकों और फैसिलिटेटर्स ने आने वाले समय के लिए कार्य निर्धारित करने के लिए समीक्षा बैठक भी की।

कुल पृष्ठ संख्या–4

बहाई समाचारपत्र के स्वामित्व एवं अन्य विषयों से संबंधित फार्म – 4, नियम 8

समाचार का नाम : बहाई समाचारपत्र
रजि नं. : DELHIN / 1966 / 4204 यू नं. (C)-52/2015-16-17
डी.एल. DL (ND) 11/6036/2015-16-17
प्रकाशक का नाम : सुशील कुमार (भारतीय)
(बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1)
प्रकाशन स्थान : बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1

मुद्रक का नाम : सुशील कुमार (भारतीय)
बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1
मुद्रण स्थान : श्री मंगलम प्रिंटर्स, एफ–25, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज़–1, नई दिल्ली–110020
उन व्यक्तियों के नाम जो समाचारपत्र स्वामी हों : राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा को इसका स्वामित्व प्राप्त है, जो सोसायटीज़ एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत है।

Licenced to post without Pre-Payment Posted at CPSO New Delhi on 10/11.10. 2017
Sender's Address:
6, Shrimant Madhavrao Scindia Marg.
New Delhi - 110 001 - INDIA

स्वामी, भारत के बहाईयों की राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा, जो सोसायटीज एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत है, के लिए प्रकाशक, मुद्रक : सुशील कुमार के द्वारा श्री मंगलम प्रिंटर्स, एफ–25, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज़–1, नई दिल्ली–110 020 से मुद्रित एवं बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–110 001 से प्रकाशित (सम्पादक : सुशील कुमार)